सत्यमेव जयते

विवेक जौहरी
मुख्य सीमा शुल्क आयुक्त
VIVEK JOHRI
Chief commissioner of Customs

मुख्य सीमाशुल्क आयुक्त कार्यालय, मुंबई अंचल - II

जवाहरलाल नेहरु सीमाशुल्क भवन, रायगड. महाराष्ट्र - 400 707.
दूरभाष नं. 2724 2393 / 401 • फॅक्स नं. : 2724 2402
ई-मेल : ccu-cusmum2@nic.in/chiefcom@jawaharcustoms.gov.in / ccojnch2@gmail.com

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF CUSTOMS
MUMBAI CUSTOMS ZONE - II (Nhava Sheva)
Jawaharlal Nehru Custom House, Raigad, Maharashtra - 400 707.
Tel.: 2724 2393 / 401 • Fax : 2724 2402 • E-mail : ccu-cusmum2@nic.in
chiefcom@jawaharcustoms.gov.in / ccojnch2@gmail.com

दिनांक : 11.08.2017

मेरे प्रिय सहयोगियों,

आपके मुख्य आयुक्त का पद संभालते हुए लगभग एक महीने होने को आया। प्रत्येक वर्ष देश के सीमाशुल्क राजस्व में 50,000 करोड़ रुपए से अधिक का योगदान और 2700 कार्मिकों से सुसज्जित देश के सबसे बड़े बन्दरगाह को सेवाएँ प्रदान करने वाले इस जवाहरलाल नेहरू सीमाशुल्क भवन के प्रमुख की भूमिका निभाना मेरे लिए बहुत ही गर्व का विषय है। करीब एक वर्ष पहले ही जेएनसीएच ने व्यापार को सुगम बनाने के लिए विशेष रूप से डायरेक्ट पोर्ट डिलिवरी (डीपीडी) योजना का सफल कार्यान्वयन करके व्यापार सुविधाओं में उल्लेखनीय प्रगति की है। चुनौतियां छोटी नहीं रही हैं, लेकिन हमने उनका निवारण किया है। मैं अपने हर उस पूर्व सहयोगी की प्रशंसा करता हूँ और बधाई देता हूं जिन्होंने इस शानदार उपलब्धि को साकार करने में अपना योगदान दिया। इस व्यवस्था को और भी मजबूत करने और इसके विस्तार हेतु भविष्य में उनसे सहयोग की कामना करता हूँ। इसी तरह से 'वस्तु एवं सेवाकर' (आईजीएसटी का संग्रह) में पदांतरण की प्रक्रिया भी सुगम तरीके से पूरी हो गई।

2. इन उपलब्धियों और इस तथ्य के बावजूद कि वर्ष के दौरान राजस्व संग्रह संतोषजनक रहा है, यह गहरी चिंता का विषय है कि स्टेकहोल्डर्स और यहां तक कि बाहर के लोग अभी भी जेएनसीएच को नकारात्मक दृष्टि से देख रहे हैं। जेएनसीएच के लिए यह नकारात्मक छवि उनके उत्पीड़न के अनुभव, अधिकारियों / कर्मचारियों के असहयोगी रवैये, कथित भ्रष्टाचार के कारण उत्पन्न हुई है। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए यहाँ अनिच्छा का माहौल है। इसमें कोई सवाल ही नहीं पैदा होता कि हमें इस माहौल को बदलना होगा और हम सभी को यह हासिल करने के लिए मिलकर काम करना होगा। मुझे यकीन है कि आप इस बात से अवश्य ही सहमत होंगे कि हमारे द्वारा संभाले जाने वाले लगभग सभी क्षेत्र जैसे मूल्यांकन, परीक्षण, धनवापसी, न्यायनिर्णयन, निर्यात सुविधा और शुल्कवापसी आदि में सेवाए प्रदान करने में सुधार के लिए बहुत सी संभावनाएं हैं। "हमेशा की तरह काम संभालने" वाले मोड में काम करना गलत धारणा को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। हमें एकीकृत और संगठित

तरीके से काम करने के लिए बहुत ही ठोस प्रयास किए जाने की आवश्यकता है ताकि हमारे द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवा की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके और जिसके चलते हमें अपनी समझ को बदलना होगा। जब तक हम इसे पूरी तरह अपने अन्तर्मन में न भर लें, हमें लगातार यह लक्ष्य को याद रखना होगा। बेशक, इसका यह अर्थ नहीं है कि हम अपने ध्येय को भूल जाएँ और राजस्व एकत्र करने और व्यवस्थाओं को लागू करने की हमारी सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को अनदेखा कर दें। हम अपने इन दो उद्देश्यों को कैसे संयोजित करें ?

3. इस संबंध में कुछ सरल सुझाव हैं जो मैं आपको समझाना चाहता हूं: -

(i) आप स्वयं ही गौरवान्वित महसूस करें कि जेएनसीएच जैसे अत्यधिक महत्वपूर्ण और संवेदनशील प्रतिष्ठान के कुशल संचालन में आपको योगदान करने का मौका मिला है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके पास एक संवेदनशील या गैर-संवेदनशील और कोई प्रचलित या अप्रचलित प्रभार है। आपको जो कुछ भी काम सौंपा गया है उस पर गर्व करें और अपनी बेहतरीन कार्यक्षमता प्रदर्शित करें। आपका प्रभार कोई भी हो! हर जगह सुधार की संभावनाएं बनी रहती ही हैं।

(ii) मुझे पता है कि हमारे पास सभी संसाधन नहीं हैं जो हम अपने अधिकार क्षेत्र पर करना चाहते हैं। लेकिन जब आपको अपर्याप्त संसाधनों की वजह से एक विकल्प का सामना करना पड़े तो कृपया सुविधाओं के बजाय जिम्मेदारी की ओर अपना झुकाव रखें। कृपया अपने हक की ओर अपनी सोच के बजाय अपने कर्तव्यों के प्रति अधिक दृढ़ सोच बनाएँ।

(iii) कृपया व्यापारिक वर्ग के सदस्यों और अपने कनिष्ठ सहयोगियों के लिए आप सदा उपलब्ध रहें और यदि वे आपके समक्ष किसी समस्या या किसी मामले में आपकी प्रतिक्रिया जानने के लिए आते हैं तो आप अनिच्छा प्रकट न करें । कृपया सचेत रहें कि लोगो के लिए आप की अनुपलब्धता के चलते आपके आस-पास बिचौलिये एकत्र न हों।

(iv) कृपया व्यापारिक वर्ग एवं अपने कनिष्ठ सहकर्मियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें। उन्हें मार्गदर्शन दें और तत्परता के साथ समाधान खोजने में उनकी मदद करें। यदि आप ऐसा करने में असमर्थ हैं तो आप अपनी कार्यशैली और अपने ज्ञान को पर्याप्त स्तर तक उठाएँ।

(iv) कृपया किसी आग्रह को अस्वीकार करने या आयातकों /निर्यातकों की मांग के विपरीत निर्णय देने की स्थिति में भी आप अत्यंत शिष्टाचार का बर्ताव करें।

(v) कृपया इस बात पर आप लगातार विचार करें कि चीजों को व्यवस्थित रूप से कैसे सुधार सकते हैं और इस संबंध में सुझावों को तैयार रखें। ।

(vi) आपके समक्ष यह सर्वोपरि हो कि आप अखंडता और ईमानदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखें।

4. संक्षेप में, मैं आप सभी से निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ ईमानदारी और निडरता से अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करने का आग्रह करता हूं। मैं अपने विचारों को साझा करने और इन महत्वपूर्ण मुद्दे पर आपकी प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए आप सभी से मिलना और बातचीत करना चाहता हूं किन्तु इतनी बड़ी संख्या होने के कारण सबसे मिलना मेरे लिए संभव नहीं है। मुझे विश्वास है कि आप इन सुझावों को सकारात्मकता के साथ आत्मसात करके उनको कार्यान्वित करेंगे। किसी भी मामले में, इन सुझावों को अमल में लाने की पहल करने के लिए देश का 71 वां स्वतंत्रता दिवस एक अच्छा अवसर है। कृपया उक्त परिणामों को प्राप्त करने के लिए इस विषय यदि आप अपने कोई विचार या सुझाव साझा करना चाहते हो तो आपका स्वागत है।

मैं आपके सहयोग की कामना करता हूँ ।

सस्नेह । जय हिंद ।

आपका ,

वि. जौहरी

5/8/2017

(विवेक जौहरी)